कलम ने रोटी छीन ली

अनिश्चित कालीन धरना 3ए अक्टुबर 2006 से॒ जिला मुख्यालय चित्तौड़गढ़.

सरकार ने अभी सितम्बर ॒ 2006 में पुराने बी.पी.एल. चयनित परीवारों की सूची को समाप्त करके नयी सूची निकाली हैं। इस बार पूरे जिले में 77 हजार 111 परीवारों के नाम चयनित सूची से हटा दिया हैं। भदेसर तहसील की ग्राम पंचायत पोटलॉं के गॉवों में भील जाति के 70 परीवार हैं। जिनके रहने के लिए टूटे फुटे झोंपड़े हैं॒ खेति के लिए जमीनें नही हैं॒ अधिकतर युवक बंधुआ मजदूर (हाली) रहे या वर्तमान में हैं । वे परिवार के लिए मुश्किल से खाने का अनाज खरीद पाते हैं ं। इलाज के नाम पर तो उन्हे मरना ही पड़ता हैं । इसी प्रकार अन्य जातियों में भी बहुत से गरीब॒ विधवाऍं निःशक्त परिवार है जिनका जीवन अनाज नही मिलने और बिमारी का इलाज नही होने से कष्ट में है॒ परन्तु सरकार द्वारा सर्वे करवाकर बनायी नयी बी.पी.एल. सूची में इन सब परिवारों को अमीर और साधन-सम्पन्न बताकर बी. पी. एल. चयनित का हक भी छीन लिया हैं।

यह स्थिति मात्र पोटलॉं ग्राम पंचायत के गॉवों की ही नही जिले कि हर ग्राम पंचायतो के कई गॅावों की यही कहानी है। इसके लिए जिम्मेदार यह सर्वे करवाने वाला सरकारी महकमा है॒ जिसमे ऐसे लोग जिनको गॉव के गरीबो कें बारे कुछ भी जानकारी नही थी । सर्वे के 13 प्रश्नों में कुछ प्रश्न एसे थे कि दोनो समय भोजन मिलता है या नही॒ कपड़े कितने पहनते हैं॒ बच्चे स्कूल जाते हैं या नही॒ कर्ज का प्रकार॒ बाहर मजदूरी करने जाते या नही (निष्क्रमण)॒ परिवार में मजदूरी की स्थिति और सहायता हेतु मांगना । ये एसे अस्पष्ट प्रश्न हे जो वास्तविक गरीब परिवार की पहचान को भटकाने वाले हैं।

यह सर्वे का कार्यक्रम जब सन् 2002 में शुरु हुआ तभी से ही जन संगठनों ने सर्वे के ऐसे प्रश्नों का तिव्र विरोध किया परन्तु सरकार ने अपनी जिद पर अड़कर पूरी लापरवाही से सर्वे करवाया । सर्वे के बाद वार्ड सभाओं और ग्राम सभाओं में भी सरकारी अधिकारियों ने तानाशाही की और जनता को गुमराह करके गैरजिम्मेदारी से गरीबों की रोटी छीनने की पूरी तैयारी करली ।

तब जाकर पुरे चित्तौड़गढ़ जिले कि तहसील मुख्यालयों पर 7 हजार 655 परीवारो के व्यक्तियों ने इकट्ठे होकर पुनः सर्वे के लिए अपील दर्ज की जिसे सरकारी अधिकारियों ने लापरवाही से अनसुना कर दिया । एसे समय में राजनीतिक पार्टीयों के नेता और जनप्रतिनिधि भी प्रशासनिक अधिकारियों के पक्ष में चुप थे । अब सुचियॉं तैयार होकर ग्राम पंचायतों में पहुॅंच गयी हैं जिसमे ग्राम पंवायतो के कई गांवों में सारे गरीब परिवारों के नाम चयनित सूची से कट गये हैं या बहुत कम लोगो के ही नाम आये है जिससे गॅावों के गरीब लोगो में तिव्र आक्रोश होने के कारण विरोध कर रहे है। तब जाकर गांवो में पंच -सरपंच और अन्य जन प्रतिनिधि अलग-अलग विरोध करके आन्दोलन कर रहे है। जिससे सरकार पर कोई असर नही पड़ रहा है । अब इस असंवेदनशील ॒ बेरहम सरकार के कान खोलने के लिए गांव-गांव से जनता और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को एक जुट होकर लड़ना पड़ेगा । इसके विरोध में जन संगठनों ने जिला मुख्यालय पर 3. अक्टुम्बर से अनिश्चित कालीन धरना रखा हैं ।

अपने हक के लिए आवाज उठाओं और धरने में शामिल हो । गॉव और शहर के जिन प्रबुद्ध नागरिकों को लगताहैं कि बरीबों के साथ यह अन्याय हुआ हे वे अपना सहयोग और सर्मथन

खेतिहर खान मजदूर संगठन (राजस)

चित्तौड़गढ़

फोन नः 01472-243788

मजदूर किसान संगठन

अमरपुरा॒ त. भदेसर॒ जि. चित्तौड़गढ़

मो. न. 9414777962